जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 30 संख्याः 24 प्रभात उदयपुर, शुक्रवार 25 नवम्बर, 2022 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

कहीं पे निगाहें, कहीं पर निशाना

गहलोत ने भला-बुरा पायलट को कहा, पर असल में चुनौती हाई कमान को थी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। हताश और अलग-थलग पड़ चुके अशोक गहलोत ने कांग्रेस नेतृत्व को सीधी चुनौती देकर पार्टी में हलचल मचा दी है। उन्होंने कहा: "यदि मुझे मुख्यमंत्री पद से आस्थिर किया जाता है तो मैं सरकार गिरा दूंगा।"

हाल ही अडानी द्वारा खरीदे गए एन.डी.टी.वी. को दिए एक साक्षात्कार

- पायलट ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, गहलोत बहुत सीनियर व अनुभवी नेता हैं, अतः उन्हें पार्टी के अपने साथियों को भला बुरा कहना छोड़कर पार्टी की गुजरात चुनाव में जीत व भारत जोड़ो यात्रा की सफलता के लिये काम करना चाहिये।

में उन्होंने यह हमला बोला। अडानी ने राजस्थान में भारी धनराशि का निवेश किया है। सचिन पायलट के लिए गहलोत ने कहा कि वह मुख्यमंत्री कभी नहीं बन सकते क्योंकि वे गद्दार हैं। उनके निष्ठावानों ने भाजपा से धन लिया। उनके साथ सिर्फ 10 विधायक हैं और वे कभी मुख्यमंत्री नहीं बन सकते और ना जाने क्या-क्या।

उनकी सारी बयानबाजी सचिन पायलट के विरूद्ध थी लेकिन संदेश गांधी परिवार के लिए था जो यह स्पष्ट कर चुका है कि उन्हें मुख्यमंत्री पद छोड़ना होगा क्योंकि इस पद के लिए उनकी पसंद सचिन पायलट हैं।

सचिन पायलट भारत जोड़ो यात्रा में राहुल और प्रियंका गांधी के साथ चल रहे हैं और गांधी भाई-बहनों के साथ उनके मेलजोल ने अशोक गहलोत के लिए मिर्ची का ही काम किया है। लेकिन कांग्रेस के सूत्र कहते हैं कि अशोक गहलोत की निराशा का एक बड़ा कारण ये है कि करीब-करीब अधिकांश विधायक उनका साथ छोड़ चुके हैं और वह सत्ता से चिपके रहने के भरसक प्रयास कर रहे हैं।

सचिन पायलट ने इस पर यह कहते हुए प्रतिक्रिया दी है कि गहलोत काफी सीनियर और अनुभवी नेता हैं और उन्हें भारत जोड़ो यात्रा की सफलता सुनिश्चित करते हुए गुजरात विधानसभा चुनाव जीतने पर अधिक फोकस करना चाहिए तथा पार्टी के साथियों को भला-बुरा नहीं कहना चाहिए।

कांग्रेस गुजरात विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया में है, जहां गहलोत पार्टी के प्रमुख पर्यवेक्षक हैं।

सूत्र कहते हैं कि सचिन पायलट पर गहलोत का बेलगाम हमला पार्टी की संभावनाओं को नुकसान पहुँचा कर सिर्फ भाजपा की ही मदद कर सकता है, लेकिन सरसरी तौर पर लगता है कि गहलोत किसी की नहीं सुन रहे हैं।

क्या मुख्यमंत्री के झल्लाने का कारण राहुल प्रियंका के साथ सचिन की यह फोटो प्रसारित होना है, जिसमें उनकी आपसी नज़दीकी और स्नेह नज़र आ रहा है?

- उनके पायलट विरोधी उद्‌गार में हाई कमान के लिये मैसेज था: "अगर मुझे मु.मंत्री पद से अस्थिर किया गया तो, मैं सरकार गिरा दूंगा।"
- जैसा कि, हाई कमान अपनी राय दे चुका है कि, उन्हें मु.मंत्री पद छोड़ना होगा तथा इस पद के लिये सचिन पायलट उनकी "चॉयस" हैं।
- चर्चा है कि, भारत जोड़ो यात्रा में शरीक हुए पायलट की यात्रा के दौरान राहुल गांधी के साथ नज़दीकी व मित्रता की सोशल मीडिया पर प्रसारित फोटो से गहलोत काफी विचलित व कुंठित हुए, अतः अपने इन्टरव्यू में भारी जहर उगला है।
- पर, कांग्रेस के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, कुंठा का मुख्य कारण है, कांग्रेस के अधिकतर विधायक अब पाला बदल चुके हैं तथा उनका साथ छोड़ चुके हैं और अब सत्ता से चिपके रहना उनके लिये और मुश्किल हो रहा है।

हाई कमान को आभास था, भारत जोड़ो यात्रा का अगला चरण सबसे कठिन होगा

पर, गहलोत से खुल्लम-खुल्ला विद्रोह की उम्मीद नहीं थी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। कांग्रेस के केन्द्रीय नेतृत्व को खुली चुनौती देते हुये, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आज राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को उस समय एक बड़ा झटका पहुँचाया, जब उन्होंने अपने धुर प्रतिद्वंदी सचिन पायलट, जो पदयात्रा में शामिल हैं, को "गद्दार (ट्रेटर)" कह डाला।

एक समाचार चैनल को दिये गये एक विशेष इन्टरव्यू में गहलोत ने कहा, "हाईकमान उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बना सकती। एक ऐसा आदमी, जिसके पास 10 विधायक भी नहीं है, जिन्होंने बगावत की, उन्होंने पार्टी के साथ विश्वासघात किया, (वे) गद्दार हैं।

तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना तथा महाराष्ट्र में अपनी यात्रा के दौरान भारी जन-समर्थन पाने के बाद, यात्रा का अगला हिस्सा कठिन होगा, यह तो मालूम था, लेकिन पार्टी के रणनीतिकारों को गहलोत की तरफ से इस प्रकार के खुले विद्रोह की उम्मीद नहीं थी। प्रसंगवश बता दें कि भारत जोड़ो यात्रा कश्मीर तक की कुल 3575 किमी की दूरी में से मोटे तौर पर 2000 किमी की दूरी तय कर चुकी है। इस यात्रा का समापन अगले वर्ष के शुरू में राष्ट्रीय तिरंगे झंडे को फहराये जाने के साथ श्रीनगर में होगा।

अब इसे राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब तथा जम्मू-कश्मीर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- राहुल गांधी द्वारा आदिवासी क्षेत्र को दी जा रही तवज्जो से भाजपा भी विचलित सी है तथा हरकत में आयी, और मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री व कुछ अन्य मंत्रियों की मौजूदगी में आदिवासी शहीद टंट्या भील की जन्म स्थली से अपनी यात्रा शुरू की।
- सोशल मीडिया पर भी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान विधायक दिव्या मदेरणा का हाथ पकड़ कर चलने और, माथा चूमने को, गलत तरीके से पेश किया जा रहा है।
- मु.मंत्री हेमन्त बिस्वा सरमा ने भी राहुल की दाढ़ी पर व्यंगात्मक टिप्पणी की कि, वे "सद्दाम हुसैन" जैसे नज़र आते हैं।

राहुल गांधी की दाढ़ी पर ही इतनी टिप्पणियाँ क्यों?

सदा से राजनीतिज्ञ अपना स्टाइल, दाढ़ी और कपड़ों के मार्फत "सिग्नेचर इमेज" बनाते रहे हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 नवम्बर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जो काली-सफेद दाढ़ी बढ़ा ली है, उसे लेकर जनता में काफी दिलचस्पी है। भाजपा शासित असम के मुख्यमंत्री हेमन्त बिस्वा सरमा के अनुसार राहुल गांधी अब सद्दाम हुसैन के हमशक्ल जैसे लगते हैं, जबकि कांग्रेस के निष्ठावान लोगों का कहना है कि राहुल गांधी को अब "संत राजनेताओं" की श्रेणी में देखा जा सकता है। मां के लाड़ले की छवि से परे, उनकी यह दाढ़ी उनके व्यक्तित्व को निखारती है और एक "पार्ट टाइम" राजनेता की उनकी पूर्व छवि पीछे छूट रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर गृह मंत्री अमित शाह और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तक, कई राजनेताओं ने समय-समय पर छोटी या बड़ी दाढ़ी रखी है। प्रधानमंत्री की दाढ़ी समय की जरूरत के हिसाब से कई आकार बदल चुकी है। उदाहरण के लिये,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- प. नेहरू, अचकन व गुलाब का फूल, वी.पी. सिंह अपने "फर की टोपी" पहनते थे व मोदी "डवलपमैंट उन्मुख" मु.मंत्री की छवि को उभारने के लिये डिज़ाइनर कुर्ते व जैकेट पहनने लगे थे।
- प. बंगाल के चुनाव के दौरान मोदी ने खुली लम्बी दाढ़ी रखी थी, तब कटाक्ष हुआ था कि, रविन्द्र नाथ टैगोर जैसा दिखने का प्रयास है।

गहलोत की पायलट संबंधी टिप्पणी को खारिज किया जयराम ने

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। कांग्रेस महासचिव और मुख्य प्रवक्ता जयराम रमेश ने गुरूवान को राजस्थान के मुख्यमी अशोक गहलोत के सचिन पायलट के बारे में की गई टिप्पणी को खारिज कर दिया और कहा कि गहलोत वरिष्ठ और अनुभवी राजनेता हैं।

उन्होंने एक बयान में कहा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कांग्रेस के महासचिव व मुख्य प्रवक्ता ने जयराम रमेश ने कहा कि, दोनों के विवाद को पार्टी के भीतर सुलझा लिया जाएगा।

मु.मंत्री बड़ा दिल रखें, इस्तीफा दें, अडानी के इशारे पर राहुल की यात्रा को पलीता ना लगाएं-आचार्य प्रमोद

मंत्री गुढ़ा बोले, आलाकमान सी.एल.पी. की बैठक बुलाएं, 80 फीसदी विधायक पायलट के साथ नहीं हुए तो मुख्यमंत्री पद का दावा छोड़ देंगे

जयपुर, 24 नवम्बर (का.प्र.)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से सचिन पायलट पर लगाए गए आरोपों के बाद पायलट समर्थक और प्रियंका गांधी के नजदीकी आचार्य प्रमोद ने कहा कि अडानी के इशारे पर मुख्यमंत्री को राहुल गांधी की यात्रा को पलीता नहीं लगाना चाहिए। वही मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने कहा कि 80 फ़ीसदी विधायक यदि आलाकमान के साथ और पायलट के समर्थन में नहीं हो, तो हम अपना दावा छोड़ देंगे। वहीं दूसरी ओर गहलोत समर्थक निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा का दावा है कि 101 विधायक मुख्यमंत्री गहलोत के साथ हैं, और वे पूरे 5 साल मुख्यमंत्री रहेंगे।

मुख्यमंत्री का बयान सामने आने के बाद आचार्य प्रमोद ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को बड़ा दिल दिखाते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए। वह तो खुद ही कह चुके हैं कि उनका इस्तीफा तो कांग्रेस अध्यक्ष के पास रखा हुआ है। बड़ा दिल रखना चाहिए, सचिन पायलट कांग्रेस की असेट है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री गहलोत का यह बयान सचिन पायलट के खिलाफ नहीं बल्कि कांग्रेस आलाकमान,राहुल गांधी, प्रियंका गांधी के भी खिलाफ है।

वहीं पायलट कैंप के मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री भले ही कोई बयान दें,लेकिन अगर कांग्रेस आलाकमान विधायक दल की बैठक बुलाता है और उसमें पायलट के साथ 80 फीसदी विधायक नहीं होते हैं तो हम मुख्यमंत्री पद से अपना दावा छोड़ देंगे। गुढ़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत विधायकों की वन टू वन मीटिंग और सीएलपी की बैठक से क्यों घबरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जिन विधायकों पर 10-10 करोड़ रुपए लेने के आरोप लगा रहे हैं तो फिर उन्होंने क्या सोच कर उनमें से 5 विधायकों को अपनी कैबिनेट में मंत्री पद देकर बैठा रखा है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कम से कम स्वर्गीय हो चुके भंवर लाल शर्मा का तो ध्यान रखें, जिनके निधन होने पर सरदार शहर सीट पर उपचुनाव हो रहे हैं। वे यह आरोप लगाकर वह भंवर लाल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- उधर गहलोत समर्थक संयम लोढ़ा बोले, हाथ खड़े करा लो, आज भी 101 विधायक गहलोत के साथ, पूरे 5 साल रहेंगे मुख्यमंत्री।

मु.मंत्री ने श्रीमहावीरजी में महामस्तकाभिषेक समारोह में हिस्सा लिया

करौली / हिण्डौन, 24 नवम्बर (नि.स.) । मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि देश और दुनिया में भगवान महावीर की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं। जहां शान्ति और अहिंसा का वातावरण होता है। वहीं ईश्वर का निवास होता है। सारे विश्व के बुद्धिजीवी भारत की पुरातन संस्कृति का सम्मान करते हैं। जिसका मूल कारण इसमें शान्ति और अहिंसा का निहित होना है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत गुरूवार को करौली के महावीरजी में पंचकल्याणक महोत्सव एवं महामस्तकाभिषेक समारोह के दौरान उपस्थित जनसमुदाय को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पंचकल्याणक महोत्सव का झण्डारोहण कर शुभारम्भ करने का अवसर मिलना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर की शिक्षाओं से प्रभावित होकर ही महात्मा गांधी जी ने सत्य और अहिंसा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'जिसके पास 10 विधायक नहीं, जिसने बगावत की, जिसे गद्दार नाम दिया गया, उसे कैसे स्वीकार कर सकते हैं'

भारत जोड़ो यात्रा की तैयारी से पहले मुख्यमंत्री गहलोत का सचिन पायलट पर बड़ा हमला

जयपुर, 24 नवम्बर (का.प्र.)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के राजस्थान आने से पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सचिन पायलट पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा है कि पायलट को कैसे सीएम बना सकते हैं। जिस आदमी के पास 10 विधायक नहीं हैं, जिसने बगावत की हो, जिसे गद्दार नाम दिया गया है, उसे लोग कैसे स्वीकार कर सकते हैं।

ऐसा बयान देकर गहलोत ने स्पष्ट कर दिया है कि मुख्यमंत्री यदि बदला जाता है, तो भी वह सचिन पायलट को तो किसी भी रूप में स्वीकार करने को तैयार नहीं है। इतना ही नहीं गहलोत ने यह भी कहा कि यदि मुझे मुख्यमंत्री नहीं रखना है, तो किसी नए को बना दो, लेकिन नया व्यक्ति सरकार रिपीट नहीं करा सकता और सचिन पायलट को विधायक स्वीकार नहीं करेंगे। ऐसा कहकर एक तरह से अशोक गहलोत ने यह जताने की कोशिश की है कि उनके अलावा और कोई भी सरकार रिपीट कराने की स्थिति में नहीं है।

दूसरी ओर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ मध्यप्रदेश में भारत जोड़ो यात्रा में शामिल सचिन पायलट ने गहलोत के बयान पर कहा कि "वे पहले भी मुझे नाकारा, निकम्मा और गद्दार कह चुके हैं। उन्होंने मुझ पर जो आरोप लगाए हैं, वे बेबुनियाद हैं। ये समय भाजपा से लड़ने का है, ऐसे झूठे आरोप लगाने की जरूरत नहीं है।" सचिन पायलट ने गहलोत के लिए कहा कि "वे पार्टी के अनुभवी नेता हैं, उन्हें इतना असुरक्षित नहीं होना चाहिए। हम आज किसी पद पर है, तो जरूरी नहीं है कि हमेशा रहें। पता नहीं कौन मुख्यमंत्री को ऐसी सलाह दे रहा है।" वहीं गहलोत के इस बयान पर पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने भी कहा कि युवा साथी सचिन पायलट और अशोक गहलोत के मतभेद सुलझा लिए जाएंगे और इससे कांग्रेस मजबूत होगी, फिलहाल भारत जोड़ो यात्रा को सफल बनाना ही सबका लक्ष्य है।

इससे पहले गहलोत ने एक राष्ट्रीय हिंदी चैनल से बात करते हुए कहा कि "जिसके कारण हम 34 दिन होटलों में बैठे रहे, ये सरकार गिरा रहे थे, अमित शाह भी शामिल थे। धर्मेंद्र प्रधान भी शामिल थे। जो आदमी गद्दारी कर चुका है, उसे हमारे एमएलए और मैंने खुद भुगता है, 34 दिन तक होटलों में रहे हैं, उनको वे कैसे स्वीकार करेंगे ? मुख्यमंत्री रहने के सवाल पर गहलोत ने कहा कि आज तो मैं ही हूं यहां पर। हाईकमान के इशारे की छोड़ो, मुझे तो कोई इंडिकेशन नहीं है। मैं हाईकमान के साथ हूं। पायलट को कोई स्वीकार ही नहीं करेगा।"

गहलोत ने कहा कि "हाईकमान राजस्थान के साथ न्याय करेगा। सितंबर की बातें हैं। अजय माकन और हाईकमान को अपनी फीलिंग बता चुका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सचिन पायलट का जवाब, वे पार्टी के अनुभवी नेता हैं, उन्हें इतना असुरक्षित नहीं होना चाहिए, हम आज किसी पद पर हैं, तो जरूरी नहीं है कि हमेशा रहें।
- पायलट ने गहलोत के बयान पर कहा, वे पहले भी मुझे नाकारा, निकम्मा और गद्दार कह चुके हैं, उन्होंने मुझ पर जो आरोप लगाए हैं, वे बेबुनियाद हैं।
- गहलोत ने यह भी कहा कि, आज तो मैं ही हूँ यहां पर, हाईकमान के इशारे की छोड़ो, मुझे तो कोई इंडिकेशन नहीं है, मैं हाईकमान के साथ हूँ, पायलट को कोई स्वीकार नहीं करेगा।
- गहलोत ने कहा कि, मानेसर जाकर आने के बाद यदि वो माफी मांग लेते तो मुझे माफी नहीं मांगनी पड़ती, 25 सितम्बर की घटना भी नहीं होती।
- राजस्थान में 25 सितम्बर की घटना को लेकर भी गहलोत ने सचिन पायलट के सिर ठीकरा फोड़ते हुए कहा कि, 25 सितम्बर को पायलट की वजह से माहौल बिगड़ा।

'सचिन पायलट आई लव यू' के नारे लगे

करौली, 24 नवम्बर (नि.स.)। प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत गुरूवार को करौली दौरे पर रहे । इस दौरान श्री महावीरजी में पंचकल्याणक महोत्सव महामस्तकाअभिषेक का आगाज किया।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से लौटते वक्त स्थानीय गुर्जर समाज के युवाओं ने मुख्यमंत्री मुर्दाबाद के नारे लगाए। जब वह कार्यक्रम से हेलीपैड के लिए निकल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- श्री महावीरजी महामस्तकाभिषेक कार्यक्रम में शामिल होकर जब मुख्यमंत्री हैलीपैड की तरफ लौट रहे थे तब भारी संख्या में युवाओं ने सचिन पायलट आई लव यू और मुख्यमंत्री मुर्दाबाद के नारे लगाए।